

भगवान महावीर जयंती आज

राजधानी... ज्ञानवाल स्किल
पार्क की सभी भरी ...ट्रेल... आईएसएफ वर्ल्ड कप :
सुरुचि और विजयवीर ने ...व्यापार... यूपी के निर्यातक भी
परेशन, टैरिफ के कारण...देश-विदेश... पाकिस्तान
पीपुल्स पार्टी के ...वर्ष- 78
(भोपाल : वर्ष 40 अंक 131, पृष्ठ 12)
गुरुवार 10 अप्रैल 2025
राजधानी संस्करण
कीमत: 3:00 रुपये

www.naiduniaonline.com

भोपाल एवं सागर से एकसाथ प्रकाशित

भारत की प्रगति से दूसरों की प्रगति के रास्ते खुलते हैं : मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि भारत परस्पर सहयोग के दर्शन के साथ कार्य करता है और अपने विकास के साथ दूसरों के विकास के द्वारा भी खोलता है। इसी कारण भारत के प्रति दुनिया का विश्वास आज और मजबूत हुआ है।

श्री मोदी ने कहा कि भारत कि यह विशेषता है कि इस देश की प्रगति से दूसरों की भी प्रगति के रास्ते खुलते हैं। वह राजधानी में जैन धर्मवालम्बियों के नवकार महामंत्र दिवस को संबोधित कर रहे थे। विज्ञान भवन में आयोजित इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने जैन धर्म की शिक्षाओं से प्रेरणा ले कर व्यक्तिगत और सामाजिक जीवन का संचालन करने में सुंदरता की व्याख्या करते हुए पानी की बचत, और स्वच्छता जैसे नीं संकल्प कराए। नवकार महामंत्र दिवस आध्यात्मिक सद्व्यवहार और ऐतिक चेतना का एक महत्वपूर्ण उत्सव है। इसमें जैन धर्म में सबसे अधिक पूजनीय और सार्वभौमिक मंत्र-नवकार महामंत्र के सामिहक जप के माध्यम से लोगों की एकजुटता की प्रार्थना की जाती है। प्रधानमंत्री मोदी को कहा कि आज वे पर दुनिया का विश्वास और भी गहरा हो रहा है। हमारे प्रयास, हमारे रियाम, अपने आप में अब प्रेरणा बन गई है। वैश्वक संस्थाएं भारत की ओर देख रही हैं। उन्होंने कहा कि क्योंकि भारत आगे बढ़ा है। और जब हम आगे बढ़ते हैं, ये भारत की विशेषता है, जब भारत आगे बढ़ता है, तो दूसरों के लिए रास्ते खुलते हैं। यही तो जैन धर्म की भावना है।

परस्परोप्रग्रह जीवनाम! के दर्शन का उल्लेख करते हुए श्री मोदी ने कहा कि जीवन आपसी सहयोग से ही चलता है। इसी सोच के कारण भारत से दुनिया की अपेक्षा भी बढ़ी



है। और हम भी अपने प्रयास तेज कर चुके हैं। उन्होंने जलवायु परिवर्तन को दुनिया के लिए बड़ी चुनौती बताते हुए कहा कि इस संकट का समाधान जैन धर्म के अपरिग्रह के सिद्धांत में है। उन्होंने जलवायु संकट से निपटने और स्वच्छ जीवन शैली के लिए भारत द्वारा विश्व के समक्ष प्रस्तुत मिशन लाइफ का जिक्र किया जो पर्यावरण की रक्षा करने वाली जीवन शैली पर केन्द्रित है और जैन समाज तो सदियों से यही जीता आया है। सादगी, संयम और स्वस्थ मार्ग आपके जीवन के मूल हैं। जैन धर्म में कहा गया है— अपरिग्रह, अब समय है—जन—जन तक पहुँचने की। श्री मोदी ने इस अवसर पर लोगों के लिए रोजमारी के जीवन के लिए नीं संकल्प कराए। जिनमें पानी बचाने के नाम, स्वच्छता मिशन, बोकल फॉलो कल, देश-दर्शन, प्राकृतिक खेती, स्वच्छ जीवन, दिन-चर्चा में योग और खेल-कूद तथा गरीब की सहायता का संकल्प है। उन्होंने इसी (शेष पेज 2 पर)

मोदी को रूस के विक्टोर डे परेड के मौके पर शामिल होने पुतिन का निमंत्रण मास्को (एजेंसी)। रूसी सरकार ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बुधवार को मॉस्को में 80वें विजय दिवस समारोह में भाग लेने के लिए औपचारिक रूप से आमंत्रित किया है। यह समारोह द्वितीय विश्व युद्ध में नाजी जर्मनी पर सोवियत संघ की विजय का प्रतीक है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रूसी उप-विदेश मंत्री आद्रेस रुडेंको ने इसी तिलिली को अधिकारिक निमंत्रण भेजा गया है और उच्च स्तरीय यात्रा की तैयारियां अभी चल रही हैं। रूसी सरकारी समाचार एजेंसी तास के हवाले से रुडेंको ने कहा, इस पर काम जारी है, वह इसी साल होना चाहिए। उन्हें निमंत्रण मिला है। उप विदेश मंत्री यह भी कहा कि रूस ने मॉस्को के प्रतिष्ठित रेड स्कियू पर आयोजित होने वाली वार्षिक सैन्य परेड में भाग लेने के लिए नीं संकल्प कराए। इसी तरह का निमंत्रण दिया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 9 मई को विजय दिवस परेड में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे।

आरबीआई ने ईएमआई पर दी राहत.....

रेपो रेट में लगातार दूसरी बार 0.25 प्रतिशत की कटौती का फैसला

मुंबई (एजेंसी)

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की तरफ से रेपो रेट में 25 बेसिस प्लाईट की कटौती का बाद रेपो रेट घटकर 0.05 प्रतिशत पर आ गया है। आरबीआई के इस कदम से बैंक के ऋण और लोन रेट, ईएमआई पर सीधा असर पड़ेगा। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि मोनेट्री पॉलिसी कमेटी ने रेपो रेट कम करने पर एक राय से अपनी सहमति दी।

रेपो रेट को परचेजर एप्रीलेंट रेट भी कहा जाता है। यानी ये वो रेट है जिस पर आरबीआई की तरफ से कॉर्मर्शियल बैंक को उधार में पैसे दिए जाते हैं।

रेपो रेट को परचेजर एप्रीलेंट रेट भी कहा जाता है। यानी ये वो रेट है जिस पर आरबीआई की तरफ से एपर्शियल बैंक के तरफ से रेपो रेट 6.50 प्रतिशत से घटकर 6.25 प्रतिशत हो गया था। आरबीआई की तरफ से 2023 के जून में रेपो रेट बढ़ाकर 6.50 प्रतिशत किया गया था। यानी 5 साल में ये बदलाव किया गया था। हालांकि, आरबीआई के इस कदम के बारे में एक्सपर्ट्स पहले से अंदाजा लगा रहे थे। बैंक रेफरवरी में आरबीआई की तरफ से रेपो रेट में 0.25 प्रतिशत की कटौती का एलान किया गया था, जिसके बाद रेपो रेट 6.50 प्रतिशत से घटकर 6.25 प्रतिशत हो गया था। आरबीआई की तरफ से

2023 के जून में रेपो रेट बढ़ाकर 6.50 प्रतिशत किया गया था। यानी 5 साल में ये बदलाव किया गया था। हालांकि, बैंक में जमा के रेट में किसी तह के बदलाव की उम्मीद काफी कम है। यानी, बैंक के तरफ से होम लोन लेनेवालों को फायदा ले दिया जा सकता है, लेकिन जमाकर्ताओं को इसका फायदा नहीं मिलने वाला है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया का महांगाई को कंट्रोल का टारेपोर्ट कर दिया गया था। यानी पॉर्च वर्च में ये बदलाव किया गया था। यह बैंक रेपो रेट के उधार में आगे आरबीआई की तरफ से रेपो रेट सस्ता किया जाता है तो इसका सीधा फायदा उपभोक्ताओं को दिया जाता है। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि वैश्वक अर्थव्यवस्था में हलचल के साथ नए वैतीय वर्ष की शुरुआत हुई। कंट्रोल बैंक की तरफ से वैश्विक अनिवार्यताओं के चलते पैदा हुए दूर तराया पर नजर है। आरबीआई का ये कदम डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन की तरफ से लगाए गए भारत के एक्सपोर्ट पर टैरिफ के कुछ दिनों पर बाद उत्तरायण के बाद रेपो रेट के उधार में अपरिवर्तन के लिए आगे बढ़ाया गया था। यानी पॉर्च वर्च में ये बदलाव किया गया था। यह बैंक वैश्विक अर्थक मंदी की बढ़ती असंक्षिप्ताओं के बीच हो रही है, जिसमें अमेरिकी संरक्षणावादी उपायों का असर भारत सहित उभरते बाजारों पर पड़ रहा है। फरवरी में अपनी अंतिम समीक्षी में आरबीआई ने बैंकरांग रेपो रेट को 25 आधार अंकों से घटकर 6.25 प्रतिशत कर दिया था, जो लगभग पांच वर्षों में पहली कटौती थी। आरबीआई (शेष पेज 2 पर)

खास-खबरें

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने दो रेल परियोजनाओं को दी मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 9 अप्रैल को भीड़भाड़ को कम करने के लिए दो रेल परियोजनाओं को मंजूरी दी। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने हाइट्रिड एन्युट्री मोड पर यांत्राव और हरियाणा में 1878.31 करोड़ रुपये की लागत से 19.2 किलोमीटर लंबाई वाले 6 लेन वाले प्रवेश नियंत्रित जीरकपुर बाईप्राप्स के निर्माण को मंजूरी दी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि प्रधानमंत्री ने तिरपति से काटपाडी तक दोहरीकरण को मंजूरी दी है जो 1332 करोड़ रुपये की परियोजना है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 2025-2026 की अवधि के लिए प्रधानमंत्री कृपि (शेष पेज 2 पर)

ट्रंप के दो बड़े ऐलान : चीन को दिया 125 प्रतिशत का झटका

75 देशों में बड़े टैरिफ पर 90 दिन की रोक

वाशिंगटन (एजेंसी)

अमेरिकी टैरिफ को लेकर दुनिया भर में मची खलबली के बीच बुधवार देर रात अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दो बड़े टैरिफ को लेकर दुनिया के साथ जारी किया। इन देशों पर जावाबी कार्यवाई नहीं की। इन सहयोगी देशों पर 90 दिनों तक 10 प्रतिशत टैरिफ लगेगा। टैरिफ बढ़ाने की जो घोषणा बोर्ड कुछ दिनों में दी गई थी, वो इन देशों से बातचीत की जारी नहीं रही देंगी। ट्रंप की घोषणा के अनुसार इन 90 दिनों के दौरान टैरिफ पर आगे बढ़ाया जाएगा। ट्रंप ने टैरिफ के कारण दो जीवन के नीं संकल्प कराए। अमेरिका ने ड्रैगन पर टैरिफ और बढ़ा दिया है। अमेरिका और चीन के लिए 75 देशों पर लगने वाले रेसिप्रोकल के नीं संकल्प करने से आप चुनौती की जाएगी।

जबकि ट्रंप का दूसरा बड़ा ऐलान सहयोगी देशों के टैरिफ पर 90